घोषणा-पत्र

मैं **श्री. खाईदेम अथौबा मैतै** घोषणा करता हूँ कि "मानवाधिकार हनन संबंधित समाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (इरोम शर्मिला के विशेष संदर्भ में)" शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने **डॉ. अख्तर आलम, असिस्टेंट प्रोफेसर** के निर्देशन व मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि इस शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधित सभी नियमों का पालन किया है।

भवदीय

स्थान : वर्धा

(खाईदेम अथौबा मैतै)

दिनांक:

पंजीकरण संख्या: MGAHV/Ph.D/166/10

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)
(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

Dr. AKHTAR ALAM
Assistant Professor
Centre for communication & media studies
Mob:- 09673797844
Email: dr.akhtaralam786@gmail.com

डॉ.अख्तर आलम
असिस्टेंट प्रोफेसर
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
(मो.):- 09673797844

दिनांक :

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री. खाईदेम अथौबा मैतै** ने मेरे निर्देशन में **"मानवाधिकार हनन संबंधित समाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (इरोम शर्मिला के विशेष संदर्भ में)"** विषय पर अपना शोध प्रबंध पूरा किया है। यह शोध प्रबंध शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहीत तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे परीक्षण/मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

शोध निर्देशक
(डॉ. अख्तर आलम)
असिस्टेंट प्रोफेसर

कृतज्ञता

मैं आभारी हूँ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का जहाँ मुझे पी-एच.डी. करने का अवसर मिला तथा इस शोध कार्य को प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सर्वप्रथम मैं आभारी हूँ ईश्वर का जिसने हमें यह जीवन दिया तथा कुछ सार्थक एवं ऊर्जावान कार्य करने की शक्ति प्रदान की।

मैं शुक्रिया अदा करता हूँ अपने निदेशक प्रोफेसर अनिल के.अंकित राय का जिन्होंने सदा हमें नई दिशा में नए संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

मैं सहृदय से आभारी हूँ अपने शोध निर्देशक डॉ. अख्तर आलम का जिन्होंने मुझे इस विषय पर कार्य करने की अनुमति प्रदान की तथा इस कार्य को उत्कृष्ट बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन एवं निर्देशन प्रदान किया। किसी मंजिल तक पहुँचने के लिए सही निर्देशन एवं मार्गदर्शन आवश्यक है तभी वह अपने गंतव्य स्थान तक पहुँच सकता है। डॉ. अख्तर आलम सर ने अपनी व्यस्तता के बावजूद शोध कार्य की बारीकियों पर चर्चा की तथा शोध को सही दिशा एवं गति देने के लिए समय - समय पर उन्होंने अपना मार्गदर्शन दिया।

किसी भी कार्य को संपन्न करने के लिए अदम्य साहस, इच्छाशक्ति एवं संसाधनों की आवश्यकता होती है। इन सब से इतर शोध में स्वतंत्रता का अपना अलग स्थान होता है। मैं आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे यह स्वतंत्रता प्रदान की जिससे हम चीजों को अपने नजरीए से देख सके, तथ्यों को एकत्र कर अपने शोध को पूरी तरह मौलिक रूप प्रदान कर प्रस्तुत करने में सफल हो सके।

मैं विभाग के सभी प्राध्यापकों तथा कार्यरत कर्मचारियों का भी शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने इस शोध कार्य के लिए अपना समय देकर सहयोग प्रदान किया।

मैं दैनिक भास्कर के संपादक प्रकाश दुबे सर एवं राष्ट्रीय स्तर के गैर सरकारी संस्थान से संबंधित सभी कर्मचारिओं का भी आभारी हूँ जिन्होंने इस शोध कार्य में अपना बहुमूल्य समय देकर सहयोग प्रदान किया।

मैं उन सभी पुस्तकालयों के कर्मचारियों का भी आंतरिक आभार प्रकट करता हूँ जिसका सहयोग मेरे द्वारा तथ्यों के संकलन के लिए किया गया है।

मैं अपने जीवन श्रोत माता-पिता के चरणों में नमन करता हूँ। जिन्होंने मुझे सदैव उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा मार्ग में आने वाली सभी कठिनाईयों का सामना करने की हिम्मत प्रदान की। साथ ही मैं अपनी छोटी बहन और विशेष तौर पर डोली गुरुमायुम के प्रति भी आभार व्यक्त करना अपना पुनीत कर्तव्य समझता हूँ जिन्होंने इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

मैं आभारी हूँ अपने साथियों तथा सहपाठियों का जिन्होंने जरूरत पड़ने पर अपना मार्गदर्शन एवं सहयोग दिया।

अंततः मैं आभारी हूँ उन सभी व्यक्तियों और उन मूर्त-अमूर्त तत्वों का जो विभिन्न रूपों में परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

मेरी मातृभाषा मणिपुरी है तथा मेरा पिछले कुछ वर्षों में ही हिंदी भाषा से परिचय हुआ है। किंतु मैंने अपनी ओर से वाक्य रचना तथा भाषा को लेकर पूर्ण सावधानी बरती है एवं वाक्य रचनाओं को उत्तम बनाने का पूर्ण प्रयास किया है। मैं अपने शोध निर्देशक तथा अपने मित्रों का तहे दिल से आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने मेरे इस शोध प्रबंध में हिंदी भाषा की गरिमा को बनाए रखने में सहायता की है।

खाईदेम अथौबा मैतै